अनियंत्रित बोलेरो कुएं में गिरी, 4 की मौत

टायर फटने से हुआ हादसा, तीन साधुओं को निकाला सुरक्षित, रेस्क्यू कर 3 घंटे के बाद निकले चारों शव

छिंदवाड़ा,19 सितम्बर. सावरी चौकी क्षेत्र में शुक्रवार शाम 6 बजे बैतूल हाईवे पर एक बड़ा हादसा हो गया.

टेमनी खुर्द के पास बुलेरो का पिछला टायर फटने से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे कुएं में जा गिरी. कार में कुल सात लोग सवार थे. इनमें से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है. इन्हें हल्की फुल्की चोटें आई है. एसडीआरएफ और पुलिस की मदद से चार फंसे हुए साधुओं के शवों को बाहर निकाल लिया गया है. सूचना मिलते ही सांसद विवेक बंटी साहू घायलों का हाल चाल जानने पहुंचे. उन्होंने चार साधुओं की मौत गहरी शोक संवेदना व्यक्त

की है. कार में सवार सभी सात लोग चित्रकूट से मुलताई गए हुए थे. यह साधु धार्मिक अनुष्ठान के लिए मुलताई आए हुए थे. शुक्रवार को बालाजीपुरम दर्शन करने गए थे. वहां से सभी चित्रकूट लौट रहे थे. सांवरी टेमरीखुर्द के पास बुलेरों के कन्डक्टर साइड का पिछला टायर फट गया. इससे बुलेरो अनियंत्रित होकर खेत में बुने कुएं में जा गिरी.

ट्रक की टक्कर से पलटा ई रिक्शा, पांच घायल

जबलपुर . बरेला थाना अंतर्गत नर्मदा फैमली ढाबा के आगे हाईवे रोड में बीती रात तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ई रिक्शा पलट गया . हादसे में पांच लोग घायल हो गए जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया . पुलिस ने बताया कि रविन्द्र सिंह 35 वर्ष निवासी मदर टेरेसा नगर माढ़ोताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ठेकेदारी का काम करता है, उसका काम मनेरी में चल रहा है . छत की ढलाई का काम खत्म करके मनेरी में उसके लेवर प्रदीप, चम्मुलाल, गली सिंह, गोपाल, शाहनवाज के ई रिक्शा में थे . वह अपनी मोटर सायकल में रामकिशन लाल के साथ ई रिक्शा के पीछे पीछे वापस जबलपुर आ रहे थे . बीती रात लगभग 8-50 बजे जैसे ही नर्मदा फैमली ढाबा के आगे हाईवे रोड में पहुँचे तभी ट्रक क्रमांक एमपी 22 एच 1209 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसके आगे चल रहे ई रिक्शा में पीछे से टक्कर मार दिया जिससे ईरिक्शा पलट गया . ई रिक्शा चालक शाहनवाज को सिर, सीना, हाथ एवं शरीर व प्रदीप, चम्मुलाल, गली सिंह, गोपाल को हाथ पैर एवं शरीर में चोटें आ गईं, पांचो घायलों को उपचार के लिए जबलपुर भिजवाया गया है .

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस धरने पर

दतिया,19 सितम्बर. गल्ला मंडी के सामने बस स्टैंड पर सामने किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अशोक दांगी वगदा की अध्यक्षता में आम सभा आयोजित की गई.

इस दौरान में कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक दांगी वगदा, संगठन प्रभारी गुड्डू राजा, सहप्रभारी दशरथ सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक घनश्याम सिंह, भांडेर विधायक फूल सिंह बरैया, पूर्व विधायक राधेलाल बघेल, पूर्व गृहमंत्री महेंद्र बौद्ध, पूर्व अध्यक्ष रामकिंकर गुर्जर, नारायण सिंह बाबूजी, ओम पांचाल, अजय शुक्ला सहित सेंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे. सभा में चेतावनी दी गई कि किसानों की समस्याएं हल नहीं की गई तो सड़कों पर उतरा जाएगा.

सहकारिता कर्मचारी कलमबंद हड़ताल पर

शिवपुरी, 19 सितंबर. मप्र सहकारिता कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सहकारिता कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन एक हफ्ते से जारी है.

कर्मचारी अपने हक के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं और प्रशासन से लंबित मांगों को शीघ्र पूर्ण करने की मांग कर रहे हैं. मप्र सहकारिता कर्मचारी महासंघ जिला इकाई जिलाध्यक्ष भानु यादव और कार्यवाहक अध्यक्ष विनोद तिवारी ने बताया कि कर्मचारियों को अपने कार्यभार के अनुसार मानदेय और अधिकार नहीं मिल रहे हैं, जो न्यायोचित नहीं है. उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को मजबूरी में भोपाल तक धरना, प्रदर्शन और हड़ताल करना पड़ सकता है.

यह है प्रमुख मांगें

प्रदेश प्रतिनिधि महेन्द्र सिंह कुशवाह ने सभी पैक्स कर्मचारियों से एकजुट होकर अपने अधिकार प्राप्त करने का आह्वान किया . कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में पैक्स में पदस्थ 60 प्रतिशत कर्मचारियों का जिला बैंक में चयन, पीडीएस अंतर्गत कमीशन, मानदेय और वेतन वृद्धि का समायोजन, तथा सभी कर्मचारियों को प्रतिमाह शासन के आदेशानुसार लाभ सुनिश्चित करना शामिल है . मप्र सहकारिता कर्मचारी महासंघ ने 24 सितम्बर तक अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल का आह्वान किया है .

राज्यपाल 21 को ग्वालियर-चंबल संभाग के तीन दिवसीय प्रवास पर आयेंगे

ग्वालियर,19 सितम्बर. राज्यपाल मंगुभाई पटेल 21 सितम्बर को ग्वालियर चंबल संभाग के तीन दिवसीय प्रवास पर आएंगे. राज्यपाल अपरान्ह 2.35 बजे दतिया पहुंचेंगे. दोनों संभागों में प्रवास के दौरान राज्यपाल पटेल विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे. साथ ही जीवाजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे. राज्यपाल पटेल 21 सितम्बर को दतिया आगमन के बाद माँ पीताम्बरा मंदिर में दर्शन व पूजा-अर्चना करेंगे. इसके बाद अपरान्ह 3.45 बजे जिले के ग्राम गोविंद नगर पहुंचेंगे. राज्यपाल शाम 5.15 बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल महाराजपुरा आएंगे.

कांग्रेस कमेटी सिंगरौली में फिर से मचा घमासान

जिलाध्यक्ष निर्वाचन के बाद पार्टी में नहीं बन रहा आपसी तालमेल, खींचातानी व गुटबाजी चरम पर

सिंगरौली 19 सितम्बर. जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर में इन दिनों गुटबाजी व पार्टी में खींचातानी तेज हो गई है. मौजूदा जिला अध्यक्ष अब तक तालमेल बनाने में नाकाम होने से पार्टी दो धड़ो में बटती नजर आ रही है.

दरअसल जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर में अध्यक्ष पर निर्वाचन के बाद विरोध के स्वर तेज हो गए हैं पार्टी में लगातार गुटबाजी पनपने लगी है. वहीं जिला अध्यक्ष अब तक आपसी तालमेल बनाने में और नाराज लोगों को मनाने में असफल साबित हुए. यहां बताते चले की पिछले दिनों 14 सितंबर को परसौना तिराहा पर कोयला परिवहन के खिलाफ कांग्रेस पार्टी की दूसरा गुट चक्काजाम किया था. इस चक्क जाम आंदोलन में मौजूदा शहर अध्यक्ष ने दूरी बना रखी थी , जबकि अधिकांश पुराने कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन में शामिल हुए और यहीं पर कांग्रेस पार्टी की गुटबाजी सामने आ गई. इसके पहले कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का दावा था कि कांग्रेस पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है.

> कांग्रेस पार्टी में यह माना जा रहा था कि जिला अध्यक्ष चयन के बाद कांग्रेस पार्टी सिंगरौली में सब कुछ ठीक-ठाक हो जाएगा और मतदाताओं के साथ-साथ आम नागरिकों में पार्टी के प्रति जो असंतोष बना पड़ा हुआ था . वह ठीक हो जाएगा, लेकिन यह सब कुछ उल्टा पड़ रहा है . आलम यह है कि कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोग धीरे-धीरे किनारा करने लगे हैं . इसके पीछे कारण क्या है यह तो पार्टी के नेता ही बताएंगे, लेकिन पार्टी में अंतरकलह एवं गुटबाजी से भी आम नागरिकों का भी धीरे-धीरे मोह भंग हो रहा है . कांग्रेस पार्टी के कुछ नेता इस वजह को मानने को तैयार नहीं है, वह दबी जुबान में मानते हैं कि गुटबाजी प्रमुख कारण है और यह गुटबाजी भविष्य के लिए खतरा है और उसका खामियाजा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ सकता है .

लोग केवल अफवाह फैलाकर फिजूल के हवा दे रहे हैं, लेकिन 14 सितंबर को परसौना कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के दावे की पोल खुल गई थी, वहीं दूसरे दिन बोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम का आयोजन शहर कांग्रेस अध्यक्ष के द्वारा किया गया. इस बाइक रैली कार्यक्रम में अधिकांश वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता व पदाधिकारी ने भी दूरी बना ली.

फ्लाईओवर के लैंडिंग्स बनते जा रहे एक्सीडेंट के स्पाट्स

जबलपुर, 19 सितंबर. मदन महल से दमोहनाका के बीच नवनिर्मित फ्लाईओवर की लैंडिंग व इसकी व्यवस्थाओं को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है.

याचिका में आरोप है कि फ्लाईओवर में व्यू कटर न लगाए जाने से इसके किनारे रहने वाले लोगों के निजता के अधिकार का हनन हो रहा है. फ्लाईओवर से आसपास के इलाके में हो रहे ध्वनि प्रदूषण व खतरनाक लैंडिंग्स पर भी सवालिया निशान लगाए गए हैं. जस्टिस अतुल श्रीधरन की युगलपीठ ने मामले की सुनवाई न करते हुए स्पष्ट किया कि जनहित याचिका की सुनवाई का रोस्टर सीजे की अध्यक्षता वाली बेंच के पास है. जिसके बाद अब उक्त मामले की सुनवाई सीजे की अध्यक्षता वाली बेंच 22 सितंबर को करेगी.

यह जनहित याचिका जबलपुर तिलहरी निवासी अधिवक्ता अलका सिंह की ओर से दायर की गई है. जिसमें कहा गया है कि जबलपुर में मदन महल से दमोह नाका के बीच सात किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बनाया गया है. जो कि व्यस्ततम आवासीय इलाके से होकर गुजरता है. जिसके दोनों और एकदम सट कर आवासीय कालोनियां लगी है.

इसके चलते फ्लाईओवर के किनारे निवास करने वाले नागरिकों की निजता का उल्लंघन हो रहा है. फ्लाईओवर पर 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से वाहन चलाए जा रहे हैं.

डीपीआई स्कूलों में नये सिरे से नियुक्ति संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज

जबलपुर . मप्र हाईकोर्ट ने उन अभ्यर्थियों की याचिका खारिज कर दी है, जिन्होंने न्यायालय के पूर्व आदेश का लाभ लेते हुए ट्रायबल स्कूल से इस्तीफा देकर डीपीआई की शालाओं में नियुक्ति के विकल्प को चुना है . जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने कहा कि जब पूर्व आदेश का लाभ ले लिया है तो अब नए सिरे से शर्त को चुनौती नहीं दे सकते . सागर निवासी अमन दुबे सहित डेढ़ दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों ने याचिका दायर कर डीपीआई स्कूलों में नए सिरे से नियुक्ति को चुनौती दी थी . याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि नए सिरे से नियुक्ति के कारण उनकी वरिष्ठता प्रभावित होगी . इसके अलावा शर्त के अनुसार उन्हें फिर से 70 प्रतिशत वेतन के साथ नौकरी शुरू करनी होगी . इसके अलावा ट्रायबल स्कूल में की गई सेवाओं को नहीं जोडने से उनकी वरिष्ठता भी प्रभावित होगी . सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने कहा कि पूर्व में हाईकोर्ट ने विभाग की उन्हीं शर्तों के आधार पर अभ्यर्थियों को विकल्प चुनने की छूट दी थी . अभ्यर्थियों ने पूर्व की याचिका में इन शर्तों को चुनौती नहीं दी और न ही पूर्व आदेश में संशोधन कराने का प्रयास किया .

दो कुख्यात अपराधी रिवॉल्वर के साथ गिरफ्तार

नरसिंहपुर,19 सितम्बर. पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ऋषिकेश मीना के निर्देश पर गोटेगांव पुलिस ने अभियान चलाकर इस कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है. यह आरोपी लंबे समय से अवैध हथियारों की हेराफेरी और आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है. पुलिस ने आरोपी के पास से हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं. गोटेगांव पुलिस की दो अलग-अलग कार्यवाहियों में आरोपी भाईलाल पटेल और कृष्णकांत पटेल को गिरफ्तार किया गया है. भाईलाल पटेल के पास से 2 देशी कट्टे, 8 जिंदा कारतूस और एक वेगनार कार बरामद हुई, जबकि कृष्णकांत पटेल से 1 रिवॉल्वर और 2 कारतूस जब्त किए गए.

समयमान वेतनमान को लेकर विवाद

पदोन्नति से छोटे कर्मचारी हो रहे वंचित

विशेष संवाददाता

भोपाल, 19 सितंबर. यदि किसी अधिकारी को तहसीलदार का वेतन देकर उससे पटवारी का कार्य कराया जाए तो यह गंभीर वित्तीय अनियमितता मानी जाएगी, लेकिन प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों के साथ ठीक यही स्थिति बनी हुई है. तीसरा और चौथा समयमान वेतनमान मिलने के बावजूद उनसे उनके वास्तविक पदोन्नति स्तर का कार्य नहीं लिया जा रहा है.

नियमों के अनुसार, समयमान वेतनमान उसी कर्मचारी को मिलता है जो पदोन्नति की सभी शर्तें पूरी करता हो. इसके लिए

बाकायदा विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की प्रक्रिया भी होती है. ऐसे में जब कोई कर्मचारी तीसरा या चौथा समयमान वेतनमान प्राप्त कर लेता है, तो उसे संबंधित पदनाम और जिम्मेदारी भी मिलनी चाहिए. सामान्य प्रशासन विभाग इस संबंध में परिपत्र जारी कर सभी विभागों को अधिकृत कर चुका है. राज्य प्रशासनिक सेवा, कोष एवं लेखा, स्वास्थ्य, शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग जैसे कई संवर्गों में यह व्यवस्था लागू भी हो चुकी है. इन विभागों में पदोन्नति संबंधी विवाद का समाधान आसानी से हो गया. इसके बावजूद अन्य विभागों के अधिकारी स्वीकृत पदों की संख्या या खाली पदों की समस्या बताकर इस व्यवस्था को लागू करने से बचते हैं. असल में यह संकट छोटे कर्मचारियों तक सीमित है. प्रथम और द्वितीय श्रेणी अधिकारियों के लिए कोई समस्या नहीं है. उन्हें समयमान के साथ उच्च पदनाम भी मिल जाता है और नियमित पदोन्नति की आवश्यकता नहीं रह जाती. यही दोहरी व्यवस्था छोटे कर्मचारियों में गहरी नाराज़गी और असमानता का कारण बन रही है.

रनिंग कर्मचारियों के परिवारजनों के साथ फैमिली सेमिनार का आयोजन

भोपाल 19 सितम्बर. रनिंग स्टाफ के लिए भोपाल में वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर (टीआरओ) एवं वरिष्ठ मंडल चिकित्साधिकारी के नेतृत्व मे भोपाल में सेफ्टी सेमिनार एवं उनके परिवारजनों के साथ फैमिली सेमीनार का आयोजन किया, जिसमें लगभग 110 रनिंग कर्मचारी अपने परिवार सहित उपस्थित रहे.

सेफ्टी सेमीनार के दौरान वर्तमान में लागू सभी संरक्षा अभियान, जिनमें सिगनल पासिंग एट डेंजर के रोकथाम एवं माइक्रो स्लीप, मानसून सावधानियां आदि विषयों पर गहन चर्चा एवं परामर्श दिया। इस सेमिनार में मुख्य अतिथि वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर (टीआरओ) एवं

वरिष्ठ मंडल चिकित्साधिकारी ने रनिंग कर्मचारियों से पारिवारिक संवाद किया। डॉ. संजीव कुमार द्वारा नियमित दिनचर्या एवं उचित खानपान के द्वारा स्वस्थ रहने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। रनिंग स्टाफ के परिजनों को वर्किंग से संबंधित जानकारी दी साथ ही रनिंग स्टाफ के मेधावी छात्रों को मीमेंटों प्रदान कर सम्मानित किया. साथ ही रनिंग स्टाफ एवं उनके परिवारजनों को कार्य के दौरान होने वाली समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली गई.

डीआरएम ने स्वच्छता रैली को दिखाई हरी झंडी

भोपाल मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता रैली आयोजित

भोपाल 19 सितम्बर. मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 का 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है.

इसके तहत भोपाल मंडल के सभी रेलवे स्टेशनों, रेल यार्डों, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेलवे कॉलोनियों, रेल चिकित्सालयों तथा यात्री गाड़ियों में विविध स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है. इसी कड़ी में दिनांक 19 सितंबर को एक विशेष स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली साइक्लोथॉन एवं वॉकथॉन के रूप में आयोजित की गई। मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी द्वारा इस स्वच्छता रैली को डीआरएम

कार्यालय प्रांगण से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. साइक्लोथॉन एवं वॉकथॉन के रूप में आयोजित यह रैली रेलवे आवास कॉलोनी, हबीबगंज की विभिन्न स्थानों से होते हुए सामुदायिक भवन हबीबगंज पर समाप्त हुई. साथ ही इलेक्ट्रिक शेड इटारसी में साईकिल रैली का भी आयोजन किया गया. सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि इस स्वच्छता रैली का उद्देश्य रेलकर्मियों एवं आमजनमानस को रेल परिसर व स्टेशनों पर स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है. इस अभियान के चौथे दिन 20 सितम्बर को रेलवे स्कूलों में खेलकूद गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा.

उपमुख्यमंत्री ने अवधेश दीदी के निधन पर व्यक्त किया शोक

भोपाल. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ब्रह्मकुमारी संस्था की वरिष्ठ राजयोगिनी एवं भोपाल ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशक बी.के. अवधेश दीदी के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि दीदीजी का संपूर्ण जीवन अध्यात्म, सेवा और समाज उत्थान के लिए समर्पित रहा. उन्होंने नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा में नैतिकता व मूल्य आधारित जीवन की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया. भोपाल ज़ोन सहित मप्र के अनेक जिलों में उन्होंने राजयोग प्रशिक्षण, सत्संग और जनजागरण अभियानों के माध्यम से हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए.

मुख्यमंत्री यादव ने राजयोगिनी अवधेश दीदी के निधन पर किया शोक व्यक्त

भोपाल 19 सितंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय संस्थान की वरिष्ठ राजयोगिनी एवं भोपाल जोन की क्षेत्रीय निदेशिका बीके अवधेश दीदी के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है.

उन्होंने कहा कि बीके अवधेश दीदी का जीवन मानवता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने समाज में शांति, अहिंसा और पारस्परिक सद्भावना के मूल्यों को प्रसारित करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया. ब्रह्मकुमारी संस्थान को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में उनका विशेष योगदान रहा. उन्होंने समाज में नैतिकता, योग, ध्यान और सेवा की मिसाल कायम की. सीएम ने कहा कि अवधेश दीदी का निधन आध्यात्म और सामाजिक जीवन के लिए एक अपूरणीय क्षति है, उनकी शिक्षाएं और आदर्श समाज को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे.

गायक जुबीन के निधन पर किया दु :ख व्यक्त

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सुप्रसिद्ध गायक, गीतकार एवं संगीतकार जुबीन गर्ग के असामयिक निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि उनका निधन बेहद दुखद है . सीएम ने बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजन एवं प्रशंसकों को इस पीड़ा को सहने की प्रार्थना की है।

आयोजन | दाहिया समाज सम्मेलन में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

दाहिया समाज का प्रदेश के विकास में विशेष भूमिका

रीवा, 19 सितम्बर, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि दाहिया समाज का प्रदेश में विकास में विशेष योगदान है. कोटवार शब्द कोई जाति या धर्म नहीं बल्कि एक पद है.

उन्होंने कहा कि इस शब्द को शासन के रिकार्ड से विलोपित कराने का प्रयास किया जायेगा. उप मुख्यमंत्री दाहिया समाज सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए. मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दाहिया समाज का सम्मेलन इसके पूर्व वर्ष 2015 में आयोजित हुआ था तब भी मैंने भी उसमें भाग लिया

था आज 15 साल बाद मुझे पुन: इस कार्यक्रम में आने का अवसर मिला. दाहिया समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग पूरी हुई है और यह समाज शासन की योजनाओं का लाभ ले पाने में सफल हो रहा है. समाज का संघर्ष पूरा हुआ.

> शुक्ल ने कहा कि इससे पूर्व की सरकार लोगों की जायज मांगे नहीं सुनती थीं . रीवा, विन्ध्य और मध्यप्रदेश बीमारू राज्य बन गया था अब कोई भी इन्हें पिछड़ा व बीमारू नहीं कह सकता . आज रीवा महानगर की तर्ज पर आगे बढ़ रहा है . उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना 75वां जन्मदिवस मध्यप्रदेश के गरीब व आदिवासी लोगों के बीच मनाया . उन्होंने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार का शुभारंभ किया . इस अवसर पर उन्होंने माताओं, बहनों से कहा कि सभी लोग स्वास्थ्य केन्द्र जाकर अपनी संपूर्ण जांच करायें और इस अभियान को सफल बनायें . प्रधानमंत्री जी के ही संकल्प से हर घर में मीठा पानी पहुंचाया जा रहा है . श्री शुक्ल ने दाहिया समाज के लोगों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपेक्षा की . सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री का सम्मान किया गया . इस दौरान रीवा एवं शहडोल संभाग के दाहिया समाज के पदाधिकारी तथा समाज के स्थानीय लोग उपस्थित रहे . सरकार का काम यही होता है कि वह लोगों की आवाज सुने और उनकी जायज मांगों को पूरा करें .

पुलिस का टेंशन मिटाने अभियान शुरू

हार्टफुलनेस मेडिटेशन का प्रशिक्षण दिया जाएगा

खंडवा,19 सितम्बर . जिले की पुलिसिग प्रणाली धीरे-धीरे बदलती जा रही है. पुलिस कर्मियों को अधिक काम की वजह से स्ट्रेस हो जाता है. ड्यूटी के घंटे भी तय नहीं रहते. उन्हें व्यवस्थित जीवन जीने की कला में भी निपुण किया जा रहा है.

लगातार व्यायाम और थेरेपी के तरीके बताए जा रहे हैं. इसके लिए हैदराबाद से ट्रेंड करवाकर एक पुलिस अधिकारी को खंडवा लाया गया है. वे पुलिसकर्मियों को तनाव मुक्त करने के गुर सिखा रहे हैं. पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना व पुलिस महानिरीक्षक रूचि वर्धन मिश्र के मार्गदर्शन में

मध्यप्रदेश पुलिस एवं हार्टफुलनेस संस्थान कान्हा शांतिवनम हैदराबाद के मध्य हार्टफुलनेस ध्यान के प्रशिक्षण एवं अभ्यास को मैदानी पुलिस कर्मियों, अधिकारियों एवं परिवारजन तक निःशुल्क रूप से पहुंचाने के लिए एमओयू संपादित किया गया है. ध्यान को मध्यप्रदेश पुलिस बल एवं उनके परिजनों द्वारा एक नियमित जीवन शैली के रूप मे अपनाया जा सके और तनाव पूर्ण परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना किया जा सके, इसके लिए मानसिक स्वास्थ्य पर यौगिक पद्धति से कार्य करना अत्यावश्यक है. ध्यान से चेतना का विकास, शांति एवं संतोष तथा आंतरिक प्रसन्नता के स्तर मे वृद्धि होने के साथ-साथ संवाद,एकाग्रता एवं निर्णय क्षमता भी बेहतर होती है.